


०३/०५/१६

पत्रापची फेरा इरी साप्ती प्राप्तीना पत्र
आमे नही चलाते हेतु कधीय साप्ती ^{Not}
जे सादरपुत्र विचारत इतरिने साप्ती ^{proof}
का प्रपत्तीना पत्र सादरपुत्र मेरुपरीप
विचार जाता हे। पत्रापची फेराल्य सुमने
इतरु सादरपुत्र जे सादरपुत्र की जाणत देखीप
देणत हे।


उपखण्ड अधिकारी
चिडावा, जिला झुन्जुन (राज)